पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 01 | अंक: 18 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, गुरूवार 22 दिसम्बर, 2022 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो - मुख्यमंत्री गहलोत

जयपुर (संस्कार सृजन)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर ऊर्जा विभाग की महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

बैठक में गहलोत ने किसानों को रबी फसल के लिए बिजली आपूर्ति, उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण, आवासीय क्षेत्रों में पर्याप्त बिजली आपूर्ति आदि महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विभिन्न स्त्रोतों से उपलब्ध हो रही बिजली की समीक्षा की व आगामी महीनों में बिजली की पर्याप्त उपलब्धता के लिए कार्य योजना बनाने के भी निर्देश दिए।गहलोत ने कहा कि राज्य में रबी फसल के लिए किसी भी कीमत पर किसानों को विद्युत आपूर्ति में असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को रबी की फसल की सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली

उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही, सिंचाई के दौरान लोड ज्यादा होने से जहां ट्रांसफार्मर जलने की समस्याएं आती हैं, वहां अधिकारियों को 72 घण्टों के भीतर खराब ट्रांसफार्मर को बदलने को भी कहा। साथ ही, उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर औद्योगिक आपूर्ति में कटौती कर किसानों को राहत देने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना' भी संचालित की जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने 4 लाख 10 हजार विद्युत कनेक्शन देने का बड़ा लक्ष्य रखा है। उन्होंने संबंधित अधिकारीयों को संसाधनों की आपूर्ति के लिए उचित योजना बनाकर इस लक्ष्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

चीन में कोरोना से मचा हाहाकार; शव रखने की भी जगह नहीं

चीन (संस्कार सृजन)। चीन में कोरोना प्रतिबंधों में ढील के बाद वहां संक्रमण की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। जीरो-कोविड पॉलिसी खत्म होने के बाद केसेस में भारी इजाफा हो रहा है। हालात इतने गंभीर हैं कि अस्पतालों के सभी बेड भरे हैं। दवाएं नहीं हैं, जहां हैं भी वहां लंबी लाइन लगानी पड़ रही है। बीजिंग में श्मशानों में 24 घंटे अंतिम संस्कार किए जा रहे हैं। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि अंतिम संस्कार के लिए वेटिंग 2000 तक पहुंच गई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि चीन में कोरोना केस दिनों नहीं, बल्कि घंटों में दोगुने हो रहे हैं।

अमेरिकी साइंटिस्ट और महामारी विशेषज्ञ एरिक फेगल-डिंग ने सोशल मीडिया पर चीन के चौंकाने वाले वीडियोज शेयर किए हैं। इनमें अस्पतालों, श्मशानों और मेडिकल स्टोर्स के हालात चिंताजनक दिखाई पड़ रहे हैं। उन्होंने कोरोना पर बड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि 90 दिन में चीन की 60% आबादी और दुनिया के 10% लोग कोरोना से संक्रमित होंगे। करीब 10 लाख मौतों की आशंका है।

एरिक फेगल-डिंग ने चीन की सरकार को ही इसका जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी CCP यानी सरकार पर आरोप लगाया कि उसका लक्ष्य ही यही है कि जिसे संक्रमित होना है, हो जाए, जिसकी मृत्यु हो रही है, उसे मरने ही दिया जाए। जल्दी संक्रमण, जल्दी मौतें, जल्दी पीक... यानी सबकुछ जल्दी ही ठीक होगा। अस्पतालों, श्मशानों के सर्वे से तो यही जाहिर होता है, क्योंकि मौतों की संख्या में विस्फोट साफ दिखाई दे रहा है।

महन्त रामफूलदास महाराज ने की गौ सेवा

जयपुर (संस्कार सृजन)। श्री राधे कृष्णा गौशाला मानपुरा माचेडी,आमेर में पहुंचकर सर्व सिद्धेश्वर धाम मालेरा महन्त रामफूलदास महाराज ने गौमाता की सेवा की । गौमाता को सर्द ऋतु में गुड़ खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया ।

रामफूलदास महाराज ने बताया कि सनातन धर्म में गौमाता का सबसे बड़ा महत्वपूर्ण भूमिका है । मैं सभी धर्म अनुयायियों से आग्रह करता हूं कि आप भी अपने स्तर पर अपने क्षेत्र में जो हो सके सेवा करें, आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होगी । इस दौरान मानपुरा माचेडी सरपंच प्रतिनिधि सुरेन्द्र मोर्य, मुकेश शर्मा मानपुरा, गौशाला महन्त कमलेश दास महाराज, अनिल नेगी मानपुरा, हुकुम सिंह, दयाल सिंह, मोहन सिंह, मुरारी शर्मा, सुरेन्द्र यादव मोरीजा आदि गौ सेवक मौजूद रहे ।

राजस्थान घूमर क्वीन 2023 सीज़न 4 के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर (संस्कार सृजन)। सद्भावना परिवार फाउंडेशन के द्वारा राजस्थान घूमर क्वीन 2023 सीज़न 4 के पोस्टर का विमोचन श्री मोती डूंगरी गणेश जी के मंदिर पर किया गया।

इस दौरान सद्भावना परिवार फाउंडेशन के अध्यक्ष मनोज पांडे, संचालिका शिवकांता पांडे, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड कोरियोग्राफर रोहित शर्मा, राजस्थान घूमर क्वीन 2022 सीमा सेठी,

संपादक नवल किशोर शर्मा, दीपाली जसोरिया, सुजाता शर्मा, सोनू अग्रवाल, शैफाली गर्ग, मुस्कान, उर्मिला और मनोज कुमावत आदि लोग उपस्थित रहे।

दा राजस्थान सिने एसोसिएशन के चुनाव संपन्न,राजेंद्र बड़जात्या बने सर्वसम्मति से अध्यक्ष,पोष बड़ा महोत्सव का भी हुआ आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजस्थानी संस्कृति,भाषा ओर सिनेमा के उत्थान के लिए चौमूं में दा राजस्थान सिने एसोसिएशन का चुनाव संपन्न हुआ । सभी ने सर्वसम्मति से राजेंद्र बड़जात्या को एसोसिएशन का अध्यक्ष बनाया गया। बीकानेर संभाग के अध्यक्ष नरेश गर्ग, महिला मोर्चा का पद सोनिया टेलर, संस्था प्रचारक असलम कायमखानी , कोषाध्यक्ष प्रभु सिंह बुजारेल, उपाध्यक्ष मनमोहन कसाना तथा जोधपुर संभाग से हेमंत सिरवी को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस दौरान राजस्थान के कलाकारों, फिल्म निर्माताओं, लेखकों ओर फिल्म टेक्निशियन

से संबंधित सभी कलाकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। एसोसिएशन के संयोजक पी.एम डूडी ने बताया की समिति का मुख्य उद्देश्य राजस्थानी सिनेमा को बढ़ावा देना, राजस्थानी फिल्मों को अनुदान ओर राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलवाना है। राजस्थानी सिनेमा को एक नई पहचान के साथ साथ संबंधित कलाकारों को फिल्मों के जरिए रोजगार मिलने की संभावना ओर बढ़ जाती है।

कोरोना से बचने के लिए चीन से फ्लाइटें बंद की जाए:पंडित रविंद्र आचार्य

जयपुर (संस्कार सृजन)। अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता और तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष पंडित रविंद्र आचार्य ने चीन में बढ़ रही कोरोना महामारी को लेकर केंद्र सरकार को चेताया है कि चीन की फ्लाइटों को बंद किया जाए, ताकि कोरोना महामारी भारत में नहीं फैले । अगर कोई भी संक्रमित व्यक्ति हमारे देश में आ गया तो महामारी फैल जाएगी । पंडित रविंद्र आचार्य ने कहा कि पिछली बार भी लापरवाही के कारण कोरोना महामारी देश में विकराल रूप धारण कर चुकी है । समय रहते केंद्र सरकार को कड़े कदम उठाकर एडवाइजरी जारी करनी चाहिए ताकि महामारी से बचा जा सके ।

पुलिस आधुनिकीकरण योजना की क्रियान्विति एवं प्रगति की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन

जयपुर(नि.सं.)। राज्य सरकार ने आदेश जारी कर पुलिस आधुनिकीकरण योजना की क्रियान्विति एवं प्रगति की समीक्षा के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव / प्रमुख शासन सचिव, गृह की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

समिति में चार सदस्य व एक संयोजक होंगे, जिसमें अतिरिक्त मुख्य सचिव /प्रमुख शासन सचिव- वित्त, अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख शासन सचिव-आयोजना, महानिदेशक पुलिस, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, स्टेट क्राईम रिकॉर्ड ब्यूरो सदस्य व संयुक्त शासन सचिव-गृह (पुलिस) संयोजक रहेंगे। यह समिति स्थाई होगी एवं समिति का प्रशासनिक विभाग गृह विभाग होगा।

आप सभी को संस्कार सृजन समाचार पत्र की ओर से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ !

www.sanskarnews.page
संस्कार सृजन
SANSKAR SRIJAN
शान हिन्दुस्तान की
News Paper,NewsChannel,News Portal

www.hamarawatan.com
हमारा वतन
देश का अपना चैनल
News Paper,News Channel,News Portal

★ संस्कार सृजन संस्था, चौमूँ, जयपुर
★ संस्कार सृजन, पाक्षिक समाचार पत्र
★ हमारा वतन, साप्ताहिक समाचार पत्र
News Paper, News Channel, News Portal

संपादक - राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258, 7014468512

संपादकीय

भारतीय दवा निर्दोष

गाम्बिया में भारतीय कफ सिरप की वजह से हुई बच्चों की कथित मौत पर भारत ने उचित ही विश्व स्वास्थ्य संगठन को आड़े हाथ लिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बिना ठोस प्रमाण के भारतीय दवा कंपनियों को कठघरे में खड़ा कर दिया था। जाहिर है, इससे देश की भी बदनामी हुई, लेकिन क्या अब भरपाई हो पाएगी? अक्तूबर के महीने में बच्चों की मौत का बेहद दुखद मामला सामने आया था और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने नाम लेकर भारतीय कंपनियों को निशाना बनाया था, आनन-फानन में भारत ने भी खासकर एक कंपनी पर प्रतिबंध लगाते हुए जांच शुरू कर दी थी। अब जांच में पाया गया है कि गाम्बिया में बच्चों की मौत का कफ सिरप से कोई संबंध नहीं है। यह साबित नहीं हो सका है कि भारतीय कफ सिरप के सेवन से ही लगभग 70 बच्चों की मौत हुई है। जाहिर है, भारत ने अब आधिकारिक रूप से आपत्ति दर्ज कराई है। डब्ल्यूएचओ के निदेशक डॉक्टर रोजेरियो गैस्पर को लिखे ताजा पत्र में भारत के ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (डीसीजीआई) डॉक्टर वी जी सोमानी ने लिखा है कि वैश्विक स्वास्थ्य निकाय द्वारा जारी बयान को वैश्विक मीडिया ने खूब प्रसारित किया, जिससे भारतीय दवा कंपनियों की छवि पर असर पड़ा। अगर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने झूठी कहानी फैलाई है, तो भारत को आगे भी कार्रवाई करनी चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन में ऐसे लोग नहीं होने चाहिए, जो भारत के खिलाफ किसी भी तरह का विरोध भाव रखते हों। भारत दुनिया में दवाओं का एक बड़ा निर्माता है और अफ्रीकी देशों में भारतीय दवाओं की बड़ी मांग है। भारतीय दवाएं न केवल कारगर, बल्कि सस्ती भी होती हैं, जिसकी वजह से दुनिया में इन्हें पसंद किया जाता है। क्या विश्व स्वास्थ्य संगठन में ऐसे तत्व हैं, जो भारत की छवि को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं? अगर किसी भारतीय दवा कंपनी से गलती हुई है या होगी, तो उसे कदापि छोड़ा नहीं जाएगा, मगर कम से कम किसी कंपनी के खिलाफ दुष्प्रचार तो न हो। जांच में यह भी पाया गया है कि जान गंवाने वाले अनेक बच्चों ने भारतीय सिरप का सेवन नहीं किया था। इसके अलावा स्वयं गाम्बिया सरकार ने भी पिछले महीने यह साफ कर दिया था कि बच्चों की मौत से भारतीय दवाओं का कोई लेना-देना प्रमाणित नहीं हो पाया है। इसमें कोई शक नहीं है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के आरोप की वजह से भारतीय दवा निर्माता कंपनी मेडेन फार्मास्युटिकल्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया और उसकी छवि खराब हुई। वैसे, विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्वयं की छवि भी इस मामले में खराब हुई है। कोरोना के समय इस संस्था को हमने नाकाम होते देखा है। इस संस्था को अपनी विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। इतने बच्चों की मौत हुई है, क्या इस संगठन ने आगे आकर मामलों की स्वयं जांच की है? आरोप लगाने से पहले और आरोप लगाने के बाद भी इस संगठन ने शायद जांच की जरूरत नहीं समझी। यह वही संगठन है, जो कोरोना की उत्पत्ति के बारे में कुछ भी साफ नहीं बता पाया है। यह वही संगठन है, जिसने बहुत मुश्किल से भारतीय कोरोना वैक्सीन को मंजूरी दी है। ऐसे संगठनों के प्रति केंद्र सरकार को सचेत रहना चाहिए, ताकि इनके माध्यम से भारत विरोधी कोई साजिश न हो। भारतीय दवा कंपनियों को भी गुणवत्ता के प्रति पहले से कहीं ज्यादा सचेत होना चाहिए, ताकि उन पर कोई उंगली न उठा सके।

नए साल में बनना चाहते हैं धनवान, तो कर लें भोजपत्र संबंधी ये खास उपाय

नए साल का आगमन होने वाला है। हर किसी की चाहत है कि आने वाले साल में उनके ऊपर मां लक्ष्मी के साथ सभी देवी-देवताओं की कृपा हो, जिससे घर में खुशियां ही खुशियां रहें। लेकिन कई बार अधिक मेहनत करने के बावजूद पैसा पास में नहीं टिकता है या फिर शत्रुओं पर विजय पाना चाहते हैं। ऐसे में आप चाहे तो ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भोजपत्र संबंधी कुछ उपायों को अपना सकते हैं। जानिए नए साल में सुख-समृद्धि, खुशहाली पाने के लिए कौन से उपाय करना होगा शुभ। बता दें कि भोजपत्र एक पेड़ की छाल होती है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल तंत्र मंत्र, वैदिक या शाबर मंत्रों के जाप आदि में किया जाता है। माना जाता है कि इसमें मंत्र लिखने से प्रभाव अधिक पड़ता है।

भोजपत्र संबंधी उपाय

धन लाभ के लिए एक भोजपत्र लेकर उसमें रक्त चंदन में थोड़ा सा पानी मिलाकर मोर पंख की मदद से श्रीं लिख लें। इसके बाद मां लक्ष्मी का ध्यान करते हुए इसे तिजोरी या फिर अलमारी में रख लें। साल के अंत में पड़ने वाले शुक्ल पक्ष की शुक्रवार के दिन 11 गोमती चक्र लेकर भोजपत्र में लपेट लें। इसके बाद ऊपर से कलावा बांध दें। फिर इस भोजपत्र को तिजोरी या फिर अलमारी में रख दें। आप चाहे तो पूजा घर में भी रख सकते हैं।

धनवान बनने के लिए मेहनत करने के बाद भी आप अधिक धन नहीं कमा पा रहे है, तो नए साल में पड़ने वाली पूर्णिमा को मां लक्ष्मी को एक कटोरी चावल और दूध से बनी खीर अर्पित करें। इससे महालक्ष्मी जल्द प्रसन्न होगी।

पैसा वापस पाने के लिए अगर किसी व्यक्ति से आपसे कर्ज लिया हुआ है और वह वापस नहीं कर रहा है, तो शुक्रवार के दिन भोजपत्र संबंधी ये उपाय करना लाभकारी होगा। इसके लिए सबसे पहले थोड़ा सा कपूर जलाकर उसका काजल निकाल लें। इसके बाद एक भोजपत्र लेकर इसी काजल से पैसा देने वाले व्यक्ति का नाम लिख दें। ऐसा करने से आपको जल्द ही पैसा वापस मिल जाएगी।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

अनामिका उंगली बताएगी कैसा होगा आपका भविष्य, जिएंगे सुखी जीवन

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार व्यक्ति के स्वभाव, हावभाव से ही नहीं बल्कि उसके अंगों की बनावट से आने वाले समय के बारे में काफी हद तक जान सकते हैं। शरीर के किस अंग की बनावट कैसी है इस आधार पर भविष्य में आपको धन लाभ होगा या धन हानि, बिजनेस में मुनाफा होगा, नौकरी, करियर जैसे कई चीजों के बारे में आसानी से जान सकते हैं। शरीर के अंगों में से एक हाथों की अनामिका उंगली की बनावट देखकर भी व्यक्ति हर एक चीज जान सकता है।

अनामिका उंगली में खड़ी रेखा

अगर किसी व्यक्ति की अनामिका उंगली एक सरल खड़ी रेखा निकलकर उंगली के पहले पर्व तक जाती है, तो इसका मतलब है कि आप बहुत ही भाग्यशाली है। ऐसे लोग आने वाले समय में बहुत बड़े बिजनेस बनेंगे।

अनामिका के पहले पोर में रेखा होना

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की अनामिका उंगली के पहले पोर में कुछ खड़ी और साधारण रेखा है, तो इसका मतलब है कि वह खुशहाल जीवन जिएंगा।

अनामिका उंगली लंबी होना

अगर किसी व्यक्ति की अनामिका उंगली तर्जनी अंगुली से लंबी है, तो ऐसे लोग अपनों से प्यार अधिक करते हैं। वैवाहिक जीवन खुशियों के साथ बीतता है। इसके साथ ही पार्टनर के प्रति झुकाव अधिक होता है।

जानिए क्रिसमस से जुड़ी कुछ दिलचस्प परंमपराएं और उनका महत्व

25 दिसंबर के दिन क्रिसमस का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। क्रिसमस से कई दिन पहले ही लोग इस त्योहार के लिए तैयारियों में जुट जाते हैं और अपने-अपने घरों को सुंदर तरीके सजाते हैं। इस दिन को ईसा मसीह के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है और चर्च में जुटकर क्रिसमस केरोल्स गाया जाता है, साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्रार्थना की जाती है। बता दें कि इस त्योहार पर लोग घरों में घंटी, मोमबत्ती, केक व मोजे रखते हैं जिनका खास महत्व है। आइए जानते हैं क्या है इनका कारण और इन चीजों का महत्व।

क्रिसमस से जुड़ी कुछ जरूरी परम्पराएं और उनके महत्व

घंटियां: क्रिसमससे एक दिन पहले क्रिसमस ट्री को सुंदर तरीके से सजाया जाता है, जिसमें घंटियों का इस्तेमाल मुख्य रूप से किया जाता है। मान्यता है कि घर में घंटियों को रखने से सभी प्रकार की नेगेटिविटी दूर रहती है और इन्हें बजाकर ईसाह मसीह का जन्मदिन मनाया जाता है।

मोमबत्ती: क्रिसमस पर मोमबत्ती जलाकर नकारात्मक उर्जा को दूर करने की प्रार्थना की जाती है। मान्यता है कि मोमबत्ती के प्रकाश की तरह ही ईसाह मसीह दुखों के अंधकार को दूर कर देते हैं। यही कारण है कि इस दिन रंग-बिरंगे मोमबत्तियां जलाई जाती हैं।

केक: जिस तरह मिठाई बांटकर खुशियां मनाने का चलन हिन्दू धर्म में है, ठीक उसी तरह केक बांटकर क्रिसमस त्योहार को मनाया जाता है। मान्यता यह भी है कि केक बांटने से तनाव और मनमुटाव दूर हो जाता है, साथ ही हर तरफ खुशियां आती हैं।

क्रिसमस ट्री: क्रिसमस का त्योहार एक चीज के बिना अधूरा माना जाता है। वह चीज है क्रिसमस ट्री। बता दें कि घर में मौजूद हरे-भरे क्रिसमस ट्री को खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। साथ ही मान्यता यह भी है कि इसे घर में रखने से सभी प्रकार की दुःख और नकारात्मकता दूर हो जाती है।

मोजे: क्रिसमस त्योहार की सजावट में मौजे का भी इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही इस परंपरा के पीछे एक दिलचस्प कहानी मौजूद है।

पेड़ पर भूत वाली कहानी से स्वामी विवेकानंद ने दिया समाज को ये संदेश

स्वामी विवेकानंद का बचपन में नाम नरेंद्र था। नरेंद्र तब आठ साल के थे। वह घर के पास ही एक बगीचे में साथियों के साथ खेलने जाते थे और वहां चंपा की डाली को पकड़कर झूलते थे, कभी उस पर चढ़ने की कोशिश भी करते थे। एक दिन एक बुजुर्ग ने बच्चों को समझाया, 'देखो, चंपा के इस पेड़ पर भूत रहता है। वह तुम सबकी गर्दन मरोड़ देगा।' चंपा की डालियां नाजुक होती हैं, शायद इसलिए या फिर बच्चे बगीचे में न खेलें, इस ख्याल से उन्होंने डराते हुए ऐसा कहा था।कारण जो भी हो, अब बच्चों ने भूत के डर से उस बगीचे में खेलना ही बंद कर दिया। नरेंद्र को खेलना, दौड़ना-भागना, कसरत करना बहुत पसंद था। अपने साथियों के बगीचे में नहीं आने से उनका खेलना छूट गया था। एक दिन बच्चों से मिलकर कहा, 'देखो, हमारा खेलना अब बंद हो गया है।

किन 4 चीजों के कारण दूर चली जाती हैं माता लक्ष्मी? चाणक्य नीति से जानें

वर्तमान समय में चाणक्य नीति को कई युवाओं द्वारा पढ़ा और सुना जाता है। आचार्य चाणक्य द्वारा रचित इन नीतियों में सफलता के कई रहस्य छिपे हुए हैं और कुछ गुण भी बताए गए हैं जिन्हें अपनाने से व्यक्ति उन्नति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहता है। बता दें कि आचार्य चाणक्य की गणना विश्व के श्रेष्ठतम विद्वानों में की जाती है। उनके द्वारा दी गई शिक्षा आज भी कई लोगों का मार्गदर्शन कर रही है। चाणक्य नीति में न केवल सफलता प्राप्त करने के गुण बताए गए हैं। बल्कि एक व्यक्ति को किस तरह से धन अर्जित करना चाहिए, इसके विषय में भी आचार्य चाणक्य ने विस्तार से बताया है। आइए चाणक्य नीति के इस भाग में जानते हैं कि किन आदतों से माता लक्ष्मी अत्यधिक क्रोधित हो जाती हैं।

चाणक्य नीति से जानिए व्यक्ति को किस तरह धन नहीं कमाना चाहिए

अन्यायोपार्जितं वित्तं दशवर्षाणि तिष्ठति ।
प्राप्ते चैकादशे वर्षे समूलं तद् विनश्यति ।।

अर्थात- लक्ष्मी यानि धन वैसे ही चंचल स्वाभाव की होती है। लेकिन उसपर भी व्यक्ति चोरी, जुआ, अन्याय या धोखा देकर धन कमाता है, तो उसका यह धन अधिक समय तक उसके पास नहीं रहता है। और ऐसा धन जल्दी नष्ट हो जाता है।

इस श्लोक में आचार्य चाणक्य ने बताया है कि धन एक जगह स्थिर नहीं रहती है। इसका आदान-प्रदान हर क्षण चलता रहता है। इसलिए इसका सम्मान करना व्यक्ति के लिए बहुत आवश्यक है। लेकिन जो व्यक्ति गलत कर्म करके के धन कमाता है, तो उसे जीवन में कभी सफलता प्राप्त नहीं होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि चोरी किया गया धन कभी भी चोर को सलाखों के पीछे पहुंचा सकता है। वहीं इसकी सम्भावना भी कई गुना अधिक होती है कि जुए में जीता हुआ धन व्यक्ति को कभी भी कंगाल बना सकती है। इसके साथ अन्याय और धोखे से कमाए गए धन से व्यक्ति कभी भी संतुष्ट नहीं रहता है और अधिक की लालसा में उसके पापों का घड़ा भरता रहता है।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

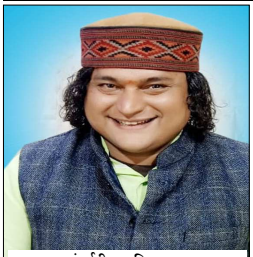

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष राशि - बातचीत में संयत रहें। वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। घर-परिवार में धार्मिक संगीत के कार्य होंगे। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी, दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

वृष राशि - धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। आय में वृद्धि होगी, वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे, संतान को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। मानसिक शांति तो रहेगी, लेकिन मन में असंतोष भी रहेगा। घर परिवार में धार्मिक कार्य होंगे, वस्त्रादि उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

मिथुन राशि - संपत्ति से आय में वृद्धि होगी, माता से धन की प्राप्ति हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की संभावना बन रही है, स्थान परिवर्तन भी संभव है। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। आय में वृद्धि होगी, वाहन सुख का वस्तिार संभव है।

कर्क राशि - आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। संतान सुख में वृद्धि होगी, क्रोध के अतिरेक से बचें। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

सिंह राशि - भवन सुख का विस्तार होगा, मात-पिता का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है। अपनी भावनाओं को वश में रखें, स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

कन्या राशि - स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा। स्थान परिवर्तन की भी संभावना बन रही है। अफसरों का सहयोग मिलेगा, कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी। मानसिक शांति तो रहेगी ।

तुला राशि - मन में शांति व प्रसन्नता के भाव रहेंगे, लेकिन बातचीत में संयत रहें, क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम रहेंगे, शोध आदि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें।

वृश्चिक राशि - अपनी भावनाओं में वश में रखें, आत्म संयत रहें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। परिवार में शांति रहेगी, वाहन सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

धनु राशि - मानसिक शांति तो रहेगी, फिर भी क्रोध के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे, परिवार में सुख-शांति रहेगी।

नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं, इच्छा विरुद्ध कुछ नए कार्यों की जम्मिेदारी मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी ।

मकर राशि - मन में निराशा के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। माता का सहयोग मिलेगा, नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा।

कुंभ राशि - मानसिक शांति तो रहेगी परंतु असंतोष भी रहेगा। परिवार में सुख शांति रहेगी, शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है । शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी, नौकरी में यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मीन राशि - आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, लेकिन आत्म संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें, माता से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी । आय में वृद्धि होगी, परंतु किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। आशा-निराशा के मश्रिति भाव मन में रहेंगे, स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है।

कविता

राष्ट्र भक्ति

राष्ट्र भक्ति फिर थम जाएगी
करके आँखें बंद,
राजनीति फिर सो जाएगी
लिपट तिरंगे संग
नहीं राष्ट्र को ये नमन
करे नहीं रखते हैं ये मान,
देश हित में ना कभी बोलेते
नेताओं के ये बयान।
पक्ष विपक्ष की बात करें
राष्ट्र प्रेम को छोड़,
सच बयानों को प्रस्तुत करें ये
कैसे तोड़ मरोड़ ।
रोज मत अब यूं धूमिल करो
भारत का सम्मान,
वाणी में संयम रखो शब्द
तिरंगा जान।
आपस में हम द्वंद करें,
नहीं करते राष्ट्र सम्मान,
संसद विधानसभा की
गरिमा का,रोज करते अपमान।
प्रण सब हम मिलकर करें
राष्ट्र का न हो अपमान ,
चाहे हमें देना पड़े तन मन
धन और ये जान।
कोरोना से युद्ध में अब
बढ़ा देश का स्वाभिमान,
विश्व हमें देने लगा स्वदेशी
वैक्सीन का सम्मान।
भारत ने सीखा दिया था
जग को दे संदेश,
विश्व गुरु हम अतीत में थे
दे शांति का संदेश।

राजेन्द्र आचार्य
राजन,
भवानीमंडी

गरुड़ पुराण से जानें, किन 5 आदतों को अपनाने से व्यक्ति बनता है निर्धन

गरुड़ पुराण का महत्व हिन्दू धर्म में सबसे अधिक है। बता दें कि हिन्दू धर्म में 18 मुख्य पुराण हैं, जिनमें देवी-देवता, धर्म इत्यादि के विषय में विस्तार से बताया गया है। उन्हीं से एक गरुड़ पुराण में जीवन-मृत्यु के विषय साथ-साथ जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए किन आदतों को अपनाना चाहिए और कैसा व्यवहार करना चाहिए इन सबके विषय में भी बताया गया है। जानकारी के लिए बता दें कि गरुड़ पुराण में भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ और भगवान नारायण के बीच हुए संवाद का पूरा वर्णन किया गया है। आइए जानते हैं कि दैनिक जीवन में किन आदतों को अपनाने से व्यक्ति बनता है निर्धन।

निंदा करने वाला गरुड़ पुराण में बताया गया है कि जो व्यक्ति अपने मन की संतुष्टि के दूसरों की निंदा करता है या जिसका स्वभाव ऐसा होता है, ऐसा व्यक्ति कभी भी अमीर नहीं बन पता है। उसे सदैव धन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसमें अपशब्द बोलने वाले, दूसरों के काम में टांग अड़ाने वाले, दूसरों पर बिना किसी कारण के चीखने वाले भी शामिल हैं।

सूर्योदय के बाद भी सोने वाले गरुड़ पुराण में बताया गया है कि जो व्यक्ति देर तक सोता है और हर काम में आलस दिखाता है, वह कभी भी धनवान नहीं बन पाता है। साथ ही उसे शारीरिक एवं मानसिक रूप से कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए मनुष्य को हर समय कार्य के लिए तत्पर और उर्जावान रहना चाहिए। साथ ही उसे सूर्योदय से पहले अपना बिस्तर त्याग देना चाहिए। ऐसे ही व्यक्ति का मन और मस्तिष्क तीव्र गती से कार्य करता है।

परिश्रम से भागने वाला व्यक्ति महापुराण गरुड़ पुराण में बताया गया है कि जो व्यक्ति परिश्रम से भागता है, वह अपने जीवन में कभी सफल व्यक्ति नहीं बन पाता है। साथ ही भविष्य में उसे कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए व्यक्ति को परिश्रम का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए और ऐसे व्यक्ति से माता लक्ष्मी भी प्रसन्न रहती हैं।

अपने धन पर घमंड करने वाला गरुड़ पुराण में बताया गया है कि जो व्यक्ति अपने पुश्तैनी या कमाए हुए धन पर अत्यधिक घमंड करता है और अपने धन का कुछ हिस्सा दान-धर्म में नहीं लगाता है। उससे माता लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं। साथ ही ऐसा व्यक्ति मानसिक रूप से कमजोर हो जाता है। इसलिए व्यक्ति को दूसरों की सहायता के लिए अपने धन का कुछ हिस्सा दान करना चाहिए और घमंड करने से बचना चाहिए।

गंदे वस्त्र पहनने वाला व्यक्ति गरुड़ पुराण में बताया गया है कि जो व्यक्ति चाहे वह कितना ही अमीर क्यों न हो, लेकिन हर समय गंदे वस्त्र पहनता है।

(कहानी) गुरु-दक्षिणा

एक बार की बात है कि किसी गुरुकुल में तीन शिष्यों नें अपना अध्ययन सम्पूर्ण करने पर अपने गुरु जी से यह बताने के लिए विनती की कि उन्हें गुरु दक्षिणा में, उनसे क्या चाहिए। गुरु जी पहले तो मंद-मंद मुस्कराये और फिर बड़े स्नेहपूर्वक कहने लगे-'मुझे तुमसे गुरु दक्षिणा में एक थैला भर के सूखी पत्तियां चाहिए, ला सकोगे?' वे तीनों मन ही मन बहुत प्रसन्न हुए क्योंकि उन्हें लगा कि वे बड़ी आसानी से अपने गुरु जी की इच्छा पूरी कर सकेंगे ।

सूखी पत्तियाँ तो जंगल में सर्वत्र बिखरी ही रहती हैं । वे उत्साहपूर्वक एक ही स्वर में बोले-'जी गुरु जी, जैसी आपकी आज्ञा ।' अब वे तीनों शिष्य चलते-चलते एक समीपस्थ जंगल में पहुँच चुके थे । लेकिन यह देखकर कि वहाँ पर तो सूखी पत्तियाँ केवल एक मुट्ठी भर ही थीं ,उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा । वे सोच में पड़ गये कि आखिर जंगल से कौन सूखी पत्तियां उठा कर ले गया होगा? इतने में ही उन्हें दूर से आता हुआ कोई किसान दिखाई दिया । वे उसके पास पहुँच कर, उससे विनम्रतापूर्वक याचना करने लगे कि वह उन्हें केवल एक थैला भर सूखी पत्तियां दे दे। अब उस किसान ने उनसे क्षमायाचना करते हुए, उन्हें यह बताया कि वह उनकी मदद नहीं कर सकता क्योंकि उसने सूखी पत्तियों का ईंधन के रूप में पहले ही उपयोग कर लिया था ।

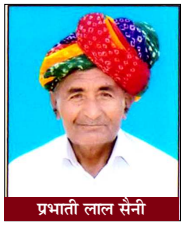

प्रभाती लाल सैनी

अब, वे तीनों, पास में ही बसे एक गाँव की ओर इस आशा से बढ़ने लगे थे कि हो सकता है वहाँ उस गाँव में उनकी कोई सहायता कर सके । वहाँ पहुँच कर उन्होंने जब एक व्यापारी को देखा तो बड़ी उम्मीद से उससे एक थैला भर सूखी पत्तियां देने के लिए प्रार्थना करने लगे लेकिन उन्हें फिर से एक बार निराशा ही हाथ आई, क्योंकि उस व्यापारी ने तो, पहले ही, कुछ पैसे कमाने के लिए सूखी पत्तियों के दोने बनाकर बेच दिए थे लेकिन उस व्यापारी ने उदारता दिखाते हुए उन्हें एक बूढ़ी माँ का पता बताया जो सूखी पत्तियां एकत्रित किया करती थी ।

पर भाग्य ने यहाँ पर भी उनका साथ नहीं दिया क्योंकि वह बूढ़ी माँ तो उन पत्तियों को अलग-अलग करके कई प्रकार की ओषधियाँ बनाया करती थी । अब निराश होकर वे तीनों खाली हाथ ही गुरुकुल लौट गये ।

गुरु जी ने उन्हें देखते ही स्नेहपूर्वक पूछा- 'पुत्रो,ले आये गुरु दक्षिणा ' तीनों ने सर झुका लिया । गुरू जी द्वारा दोबारा पूछे जाने पर उनमें से एक शिष्य कहने लगा- 'गुरुदेव, हम आपकी इच्छा पूरी नहीं कर पाये । हमने सोचा था कि सूखी पत्तियां तो जंगल में सर्वत्र बिखरी ही रहती होंगी लेकिन बड़े ही आश्चर्य की बात है कि लोग उनका भी कितनी तरह से उपयोग करते हैं

'गुरु जी फिर पहले ही की तरह मुस्कराते हुए प्रेमपूर्वक बोले- 'निराश क्यों होते हो प्रसन्न हो जाओ और यही ज्ञान कि सूखी पत्तियां भी व्यर्थ नहीं हुआ करतीं बल्कि उनके भी अनेक उपयोग हुआ करते हैं; मुझे गुरु दक्षिणा के रूप में दे दो । 'तीनों शिष्य गुरु जी को प्रणाम करके खुशी-खुशी अपने-अपने घर की ओर चले गये ।

वह शिष्य जो गुरु जी की कहानी एकाग्रचित्त हो कर सुन रहा था,अचानक बड़े उत्साह से बोला-'गुरु जी,अब मुझे अच्छी तरह से ज्ञात हो गया है कि आप क्या कहना चाहते हैं । आप का संकेत, वस्तुतः इसी ओर है न कि जब सर्वत्र सुलभ सूखी पत्तियां भी निरर्थक या बेकार नहीं होती हैं

तो फिर हम कैसे, किसी भी वस्तु या व्यक्ति को छोटा और महत्त्वहीन मान कर उसका तिरस्कार कर सकते हैं? चींटी से लेकर हाथी तक और सुई से लेकर तलवार तक-सभी का अपना-अपना महत्त्व होता है ।

गुरु जी भी तुरंत ही बोले-'हाँ, पुत्र,मेरे कहने का भी यही तात्पर्य है कि हम जब भी किसी से मिलें तो उसे यथायोग्य मान देने का भरसक प्रयास करें ताकि आपस में स्नेह, सद्भावना,सहानुभूति एवं सहिष्णुता का विस्तार होता रहे और हमारा जीवन संघर्ष के बजाय उत्सव बन सके ।

दूसरे,यदि जीवन को एक खेल ही माना जाए तो बेहतर यही होगा कि हम निर्विक्षेप,स्वस्थ एवं शांत प्रतियोगिता में ही भाग लें और अपने निष्पादन तथा निर्माण को ऊंचाई के शिखर पर ले जाने का अथक प्रयास करें । 'अब शिष्य पूरी तरह से संतुष्ट था ।

सुबह- सुबह दिख जाएं ये चीजें, तो समझ लें कि जल्द ही मिलने वाला है शुभ समाचार

माना जाता है कि अगर दिन की शुरुआत अच्छी हो, तो पूरा दिन ही खुशी खुशी बीत जाता है। वहीं अगर सुबह कुछ अशुभ देख लिया, तो इसका मतलब है कि पूरा दिन बुरा जाने वाला है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सुबह के समय उठते ही या फिर आप घर से बाहर निकलते ही शुभ चीज दिख जाएं, तो व्यक्ति का भाग्य जाग जाता है। इसके साथ ही सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। जानिए उन संकेतों के बारे में जो काफी शुभ माने जाते हैं। सुबह उठते ही करें ये काम शास्त्रों के अनुसार, सुबह उठते ही सबसे पहले अपनी दोनों हथेलियों को देखना चाहिए। क्योंकि हमारे हाथ में मां सरस्वती के साथ ब्रह्मा और मां लक्ष्मी का भी वास होता है। ऐसा करने से हमेशा सुख-समृद्धि, खुशहाली बनी रहती है। सुबह के समय ये चीजें दिखना माना जाता है शुभ अगर कोई सुहागन महिला सोलह श्रृंगार करे हुए पूजा करती हुई नजर आती है, तो यह काफी शुभ माना जाता है। इसका मतलब है कि आपका कोई बड़ा काम जल्द पूरा होने वाला है। सुबह के समय सफेद फूल, शंखनाद, श्रीफल या फिर हाथी दिख जाए, तो शुभ माना जाता है। इसका मतलब है कि मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की कृपा आपके ऊपर है। सुबह के समय किसी महिला या फिर किसी झाड़ू लगाते हुए देखते हैं। तो इसका मतलब है कि आपका कोई बड़ा काम जल्द ही पूरा होने वाला है। दूध, दही जैसी चीजें सुबह के समय दिखने का मतलब है कि आपका भाग्य चमकने वाला है। घर से निकलते ही गाय दिख जाए, तो अपार धन संपदा मिलने वाली है। अगर सुबह उठते ही मंदिर या फिर घर से ही घंटियों के बजने की आवाज आए, तो समझ लें कि जल्द ही आपको कोई शुभ समाचार मिलने वाला है। इसके साथ ही आय के नए स्तोत्र खुलेंगे।

खुशखबर :

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय ने दो डिग्री एक साथ करने को दी मंजूरी

संकाय सदस्यों व विद्यार्थियों को रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए मिलेगा धन

फेलोशिप पाने वाले विद्यार्थी पीएचडी में ले सकेंगे सीधा प्रवेश

बीकानेर (संस्कार सृजन)। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र बीकानेर के क्षेत्रीय निदेशक बलवान सिंह सैनी ने बताया कि वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 66 वीं बैठक विश्वविद्यालय परिसर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ. कैलाश सोडाणी ने की। विद्या परिषद ने विद्यार्थियों के हित में कई फैसले लिए हैं। इस बाबत कुलपति डॉ. सोडाणी ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार अब वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय राज्य का पहला ऐसा विश्वविद्यालय हो गया है, जहां अगले अकादमिक सत्र से कोई भी विद्यार्थी एक ही समय में एक डिग्री परंपरागत विश्वविद्यालय से तथा एक डिग्री खुला विश्वविद्यालय से या ऑनलाइन मोड में कर सकता है, तथा वीएमओयू से भी दो डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकेगा। प्रवेश प्रक्रिया की पूरी जानकारी विश्वविद्यालय की विवरणिका में प्रकाशित की जाएगी जिसका अवलोकन विद्यार्थियों को गंभीरता से करना होगा ।

विद्या परिषद ने पीएचडी कार्यक्रम के लिए यूजीसी रेगुलेशन 2022 को भी विश्वविद्यालय में लागू करने की अनुमति दे दी है। इसके तहत कोई भी विद्यार्थी जिसे यूजीसी की नेट, सीएसआईआर या गेट/सीड की परीक्षा पास करने बाद स्कालरशिप या फेलोशिप दी जा जाएंगी। इसके अलावा वीएमओयू ने अपने संकाय सदस्यों एवं शोध छात्रों को रिसर्च प्रोजेक्ट करने के लिए धनराशि का आवंटन किया है। इसके अंतर्गत संकाय सदस्य को पचास हजार रूपए तथा विद्यार्थी को बीस हजार रूपए दिए जाएंगे। विद्या परिषद ने शिक्षकों की नियुक्ति और पदोन्नति के लिए गठित की जाने वाली चयन समितियों के लिए विशेषज्ञों के पैनल का अनुमोदन किया । इसके अलावा विद्या परिषद ने 15वें दीक्षांत समारोह के लिए ग्रेस पास के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान कर दी। बैठक का संचालन कुलसचिव केके गोयल ने किया। बैठक में सभी संकाय सदस्यों के अलावा कुछ वाह्य सदस्य ऑनलाइन भी जुड़े।

नवीन शर्मा की प्रथम पुण्य स्मृति में हुआ विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)। अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य के सानिध्य में फतेहपुरा बांसा में साकेतवासी नवीन शर्मा पुत्र जगदीश प्रसाद शर्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर ग्रामीणों द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । सभी ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी । पंडित रविन्द्राचार्य ने कहा की रक्तदान महादान है क्योंकि इससे किसी की जान बचाई जा सकती है । हमें जीवन में रक्तदान अवश्य करना चाहिए ।रालोपा प्रदेश महामंत्री छुट्टन यादव ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया और कहा कि रक्त किसी फेक्ट्री में नहीं बल्कि रगों में बनता है । शिविर संयोजक जनसेवक रविकांत शर्मा और सह संयोजक अर्जुन बलेसरा, राकेश धानवालिया,अनिल बोहरा,संजय बलेसरा ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और बाबा नारायण दास का छायाचित्र भेंट किया । रक्तदाताओं व कार्यकर्ताओं को स्मृति स्वरुप पानी का केम्पर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । संयोजक रविकांत शर्मा ने रक्तदाताओं व कार्यकर्ताओ का धन्यवाद व आभार प्रकट किया और हमेशा क्षेत्र में सामाजिक सरोकार के कार्यक्रम करते रहने की बात कही। युवाओं ने रक्तदान कर नवीन शर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है । रक्तदान शिविर में ग्रामवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने रक्तदान शिविर में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया । रक्तदान शिविर में बराला ब्लड बैंक की टीम ने रक्त एकत्रित किया, जिसमें कुल 129 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ । इस दौरान ग्राम सरपंच बाबू लाल गुर्जर, लालचंद शर्मा, शिक्षाविद जयनारायण बलेसरा, गोपी बलेसरा,भाजपा नेता कमल मिश्रा, रामनिवास, लालाराम बलेसरा , राजू बराला, मुकेश ढबास,जगदीश बलेसरा, गोपाल ,महेश बलेसरा,गिरधारी बलेसरा,लोकेश बोहरा, श्रवण बोहरा, मुकेश योगी ,गजेंद्र पारीक, बद्री सैनी,ज्ञान , दीपक,पप्पू,राहुल दाधीच आदि लोग मौजूद रहे।

26 दिसंबर से होगा दृष्टिहीन खेल प्रतियोगिता का आगाज

चौमूँ (संस्कार सृजन)। जयपुर जिले के चौमूं शहर में पहली बार दृष्टिहीन क्रीड़ा परिषद,अजमेर और श्री दत्तात्रेय नागा आश्रम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में राज्यस्तरीय 32 वीं दृष्टिहीन खेल प्रतियोगिता का आयोजन 26 दिसंबर को प्रातः 10 बजे से किया जाएगा ।

श्री दत्तात्रेय नागा आश्रम के महंत सागरपुरी महाराज ने बताया कि दृष्टिहीन विद्यार्थियों के लिए 26 दिसंबर से 28 दिसंबर तक खेल प्रतियोगिता का आयोजन रींगस रोड, वीर हनुमान मार्ग, इंदौरा कॉलोनी स्थित न्यू शाईन इंटरनेशनल स्कूल में किया जाएगा । खिलाडियों को आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएंगे ।

इस दृष्टिहीन खेल प्रतियोगिता में करीब 250 खिलाड़ियों के शामिल होने की संभावना है ।

जूनियर और सीनियर दो वर्गों में होगी प्रतियोगिता-जूनियर और सीनियर दो वर्गों में प्रतियोगिता रखी गई है , जूनियर में आठवीं कक्षा तक और सीनियर में नवीं कक्षा से ऊपर के विद्यार्थी भाग लेंगे ।

राज्य स्तर पर होगी खेल प्रतियोगिता- इस प्रतियोगिता में राजस्थान प्रदेश के कोने-कोने से दृष्टिहीन विद्यार्थी भाग लेंगे। विद्यार्थियों के लिए रहने और खाने की सभी व्यवस्थाएं निः शुल्क रहेंगी ।

इन खेलों का होगा आयोजन- प्रतियोगिता में क्रिकेट, कबड्डी, भाला फेंक, डिस्कस थ्रो, शतरंज,रस्साकशी, गोला फेंक, पंजा लड़ाना, साधारण दौड़ ,एक टांग की दौड़, केप दौड़ आदि खेलों का आयोजन किया जाएगा । सिर्फ क्रिकेट का आयोजन जैतपुरा स्थित खेल स्टेडियम में किया जाएगा ।

लॉ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर देव स्वरूप ने दिया इस्तीफा

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान लॉ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर देव स्वरूप ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यपाल कलराज मिश्र को भेजा था। जिसे मिश्र ने तुरंत स्वीकार कर लिया है। बता दें कि देव स्वरूप का कार्यकाल अगले साल फरवरी तक था। ऐसे में अपने खिलाफ योग्यता को लेकर शुरू हुई जांच के बाद देव स्वरूप ने कार्यकाल खत्म होने से 2 महीने पहले ही इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया है। बता दें कि यह दूसरा मौका है जब देव स्वरूप ने कुलपति के पद से इस्तीफा दिया है। साल 2014 में भी वह राजस्थान यूनिवर्सिटी से इस्तीफा दें चुके है। साल 2013 में देवस्वरूप के खिलाफ भर्ती को लेकर आरोप लगे थे। इसके बाद नवम्बर 2014 में विवादों में आने के बाद स्वरूप ने प्रशासनिक काम में सरकार की ओर से सहयोग नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था।

25 दिसम्बर को मनाई जाएगी महाराजा शूरसैनी की जयंती

लाडनूं (संस्कार सृजन)। सैनी समाज के राष्ट्रीय संगठन महाराजा सैनी संस्थान के तत्वावधान में सैनी समाज के पूर्वज व आदर्श महाराजा शूरसैनी की जयंती के उपलक्ष में 25 दिसम्बर को अपराह्न 3 बजे वार्ड सं. 25 की पार्षद सुमित्रा आर्य के निवास पर जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। महाराजा सैनी संस्थान के संयोजक जगदीश यायावर ने जानकारी देते हुए बताया कि महाराज सैनी या शूरसेनी कहे जाने वाले इन महापुरूष ने राजनीति को नई दिशा दी थी, वे लोकतांत्रिक परम्पराओं के समर्थक थे और स्वयं सम्राट होने के बावजूद सब को समान भाव से व्यवहृत करते थे। वे शक्ति के उपासक होने के बाजूद वैदिक संस्कृति के प्रसारक रहे। उनकी एकमात्र तस्वीर पाकिस्तान में मिली थी। पूरे देश का सैनी समाज उन्हें अपना आदर्श मानता है। लाडनूं में उनकी जयंती पहली बार मनाई जा रही है। विद्यार्थी व युवा वर्ग के लिए एवं समूचे समाज के लिए अपने पूर्वजों एवं आदर्श महापुरूषों की जानकारी होना आवश्यक है।

पेगासस मामला – गौरव गोगोई ने लोक सभा में लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी) । पेगासस जासूसी मामले की गूंज बुधवार को लोक सभा में एक बार फिर सुनाई दी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने लोक सभा में पेगासस के जरिए नेताओं और पत्रकारों की जासूसी किए जाने का आरोप लगाया तो इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सदन का इस्तेमाल केवल राजनीतिक आरोप लगाने के लिए नहीं होना चाहिए और अगर कांग्रेस सांसद के पास कोई तथ्य हैं तो उन्हें सदन में उन तथ्यों को भी रखना चाहिए। लोक सभा में देश में मादक पदार्थों की समस्या और सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के संबंध में नियम 193 के तहत हो रही चर्चा के दौरान बोलते हुए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने नेताओं और पत्रकारों के मोबाइल की पेगासस द्वारा निगरानी करने का आरोप लगाते हुए पूछा कि सरकार ने पेगासस के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले कितने माफियाओं और तस्करों को पकड़ा है।

भारत की सरगम कौशल बनी मिसेज वर्ल्ड 2022

नई दिल्ली (संस्कार सृजन)। सरगम कौशल ने मिसेज वर्ल्ड का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस मुकाबले में दुनियाभर के 63 देशों की महिलाओं ने हिस्सा लिया था, जिनमें से सरगम कौशल ने जीत हासिल की है। भारत के पास मिसेज वर्ल्ड का ताज पूरे 21 सालों बाद वापस आया है। सरगम कौशल से पहले 21 साल पहले 2001 में डॉ. अदिति गोवित्रीकर ने ये खिताब जीता था। मिसेज इंडिया पेजेंट के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल ने इसकी अनाउंसमेंट की है। यहां क्राउनिंग मूमेंट की एक झलक शेयर करते हुए लिखा गया है, लंबा इंतजार अब खत्म हुआ। 21 सालों बाद हमारे पास ये क्राउन वापस आ चुका है।

ये हैं सरगम कौशल-सरगम कौशल जम्मू कश्मीर की रहने वाली हैं, उन्होंने इंग्लिश लिट्रेचर में पोस्ट ग्रेजुएशन की है। सरगम विशाखापट्टनम में बतौर टीचर भी काम कर चुकी हैं। सरगम ने 2018 में शादी की थी, उनके पति इंडियन नेवी में हैं।

2001 में आखिरी बार भारत ने जीता था ये क्राउन-डॉ. अदिति गोवित्रीकर ने 21 साल पहले मिसेज वर्ल्ड का खिताब हासिल किया था। अदिति ये क्राउन जीतने वाली पहली भारतीय महिला थीं। इस पेजेंट में अदिति ज्यूरी मेंबर में शामिल हुई थीं। अदिति भेजा फ्राई, दे दना दन, स्माइल प्लीज जैसी दर्जनों बॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

बता दें कि मिसेज वर्ल्ड दुनिया का पहला ऐसा ब्यूटी पेजेंट है, जिसे शादीशुदा महिलाओं के लिए बनाया गया है। इसकी शुरुआत साल 1984 में हुई थी। पहले इसका नाम मिसेज अमेरिका था, जिसे बाद में मिसेज वुमन ऑफ द वर्ल्ड कर दिया गया था। साल 1988 में इसका नाम मिसेज वर्ल्ड पड़ा। पहला मिसेज वर्ल्ड खिताब जीतने वालीं महिला श्रीलंका की रोजी सेनायायाके थीं।

सीएसटी ने नशे के खेप के साथ 4 बदमाश पकड़े:बदमाश 3500 रुपए में खरीद कर 13 हजार रुपए किलो में बेच रहे गांजा

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने शातिर मादक पदार्थ तस्कर सहित चार सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन बदमाशों के पास से 4 किलो 600 ग्राम गांजा व 120 ग्राम चरबरामद की है।

पुलिस गिरफ्त में आए शातिर मादक पदार्थ तस्कर आलोक कुमार ने बताया कि वह अवैध रूप से मादक पदार्थ की सप्लाई कई समय से कर रहा है। वह 3500 रुपए किलो के हिसाब से गांजा खरीदा है और जयपुर और आसपास के इलाकों में जरूरतमंदों को 13 हजार रुपए किलो के हिसाब से बेच देता है।

गिरफ्तार सभी आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग थाना इलाकों में एनडीपीएस के कई मामले भी दर्ज है। एडिशनल डीसीपी क्राइम सुरेश चौधरी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी की रामनगरिया थाना इलाके में कुछ बदमाश गांजा और चरस की बड़ी खेप लेकर आने वाले हैं। इस पर पुलिस टीम को एक्टिव किया गया और समय और जगह के हिसाब से टीमों को रखा गया।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित। EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com